उद्‌बोधन

दिनांक 24.01.2023

- भ्राता न्यायाधीश श्री मनिन्द्र मोहन श्रीवास्तव
- भ्राता न्यायाधीश श्री चन्द्र कुमार सोनगरा
- जिला एवं सेशन न्यायाधीश डॉ. राजेन्द्रसिंह चौधरी
- जिला कलक्टर श्री अमित यादव
- पुलिस अधीक्षक श्री कुंवर राष्ट्रदीप
- न्यायिक अधिकारीगण
- अभिभाषक संघ, सीकर के अध्यक्ष श्री राजेन्द्र कुमार शर्मा, सचिव श्री सुरेश भास्कर एवं अन्य पदाधिकारीगण
- उपस्थित अधिवक्तागण, पुलिस एवं प्रशासन के अधिकारीगण, प्रिंट एवं इलेक्ट्रोनिक मिडिया के बंधुवर और स्थानीय गणमान्य नागरिकगण।

यह अत्यन्त हर्ष का विषय है कि गणतंत्र दिवस से ठीक पहले न्यायालयों के कुशल संचालन हेतु आवश्यक आधारभूत सुविधाओं से जूझ रहे सीकर जिला मुख्यालय पर आज एक नवीन एवं सुविधा सम्पन्न न्यायालय परिसर के निर्माण की नींव रखी गई है। आप सभी के साथ–साथ मुझे भी खाटू श्यामजी, जीण माता, शाकम्भरी माता व रींगस भैरूजी की दिव्यता और वीर सैनिकों की शौर्यता से ओतप्रोत शेखावटी की पावन भूमि पर हो रहे इस महत्वपूर्ण व पुनीत कार्य का साक्षी बनने का अवसर मिला है, इसके लिए आभार। सर्वप्रथम मैं आप सभी को नवीन न्यायालय परिसर के शिलान्यास की बहुत–बहुत बधाई देता हूँ।

मुझे यह अवगत कराया गया है कि, वर्तमान में सीकर जिला मुख्यालय पर संचालित कुल 16 न्यायालयों में मात्र 07 न्यायालयों के लिए ही भवन उपलब्ध है और शेष 05 न्यायालयों का संचालन वैकल्पिक व्यवस्था के तहत किया जा रहा है। इसके अलावा वर्तमान परिसर में अधिवक्तागण, स्टाफ एवं पक्षकारों के लिए बैठने की समुचित व्यवस्था, शौचालय, पार्किंग इत्यादि मूलभूत सुविधाओं का भी अभाव होना बताया गया है। ऐसे में इन प्रतिकूल परिस्थितियों एवं भविष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए ग्राम सीकर में आवंटित कुल 04.50 हेक्टर भूमि पर बेसमेंट एवं भू–तल सहित कुल 6 मंजिला विशालकाय भवन निर्माण की एक महत्वपूर्ण योजना

का स्वप्न संजोया गया। आज शिलान्यास कार्यक्रम के माध्यम से इस स्वप्न को साकार करने की ओर एक पुख्ता कदम उठाया गया है, जो कि प्रशंसनीय है। यह भी अवगत कराया गया है कि उक्त कार्यों के लिए प्रथम चरण का बजट आवंटित हो चुका है और दिनांक 15.04.2024 तक यहां वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम के साथ 21 न्यायालय भवनों, अधिवक्तागण के चैम्बर्स, पार्किंग एवं लिटिगेंट शेड का निर्माण पूर्ण किया जाना है।

मेरा यह मानना है कि जिला न्यायालय हमारी न्यायपालिका का दर्पण है और इन्हीं के माध्यम से आम जनता अपने मन में न्यायपालिका की छवि का निर्माण करती है। न्यायालयों के बेहतर संचालन में आवश्यक एवं आधुनिक सुविधाओं से युक्त न्यायालय भवनों की महत्वपूर्ण भूमिका रहती है। ये न केवल न्यायिक कार्यों से जुड़े व्यक्तियों की कार्यक्षमता को बढ़ाते है, बल्कि चारों ओर एक सकारात्मक वातावरण का निर्माण भी करते है, जो कि प्रत्येक कार्य क्षेत्र के लिए आवश्यक है। न्यायालयों के आधारभूत ढाँचे को सुदृढ़ करना वर्तमान समय की एक बड़ी चुनौती है और मुझे विश्वास है कि सामूहिक सहयोग और भगीरथ प्रयासों से शीघ्र ही इस चुनौति से निपटने में न्यायपालिका सफल होगी। कवि श्री सोहनलाल द्विवेदी ने सही ही कहा है कि–

लहरों से डरकर नौका पार नहीं होती,
कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती।

न्यायालयों के कुशल संचालन एवं आम जनता को त्वरित व सुलभ न्याय प्रदान करने में अधिवक्ता समुदाय की भी एक महत्वपूर्ण भूमिका रहती है। वर्तमान में सीकर जिला मुख्यालय पर 03 न्यायालय अभिभाषक संघ के द्वारा उपलब्ध कराये गए कमरों में संचालित हो रहे है, यह तथ्य स्थानीय बार एवं न्यायिक पीठ के मध्य सकारात्मक समन्वयन को दर्शाता है। इसी समन्वयन के साथ भविष्य में भी न्यायिक व्यवस्था को मजबूती से आगे बढ़ाया जायेगा, ऐसी अपेक्षा है।

सीकर जिला मुख्यालय का नवीन न्यायालय परिसर का निर्माण गुणवत्तापूर्ण व नियत समयावधि में पूर्ण हो और यह आम जनता को न्याय प्राप्ति में सहयोगी बने, इन्हीं भावनाओं के साथ अंत में सभी को न्यायालय परिसर के शिलान्यास व गणतन्त्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं। धन्यवाद।